

ग्रसाधारम्

EXTRAORDINARY

भाग 1---खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 139]

नई विस्ली, शुक्रवार, ग्राग्स्त 14, 1970/श्रायण 23, 1892

No. 139]

NEW DELIII, FRIDAY, AUGUST 14, 1970/SRAVANA 23, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 14th August 1970

Subject: -Advertisement to be made by applicants

No. 122-ITC(PN)/70. -Attention is invited to paragraph 137(1) of the LT.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1970 according to which the applicants whose requirements in respect of capital goods or machine tools exceed Rs. 7.5 lakks in value are required to advertise their requirements in the prescribed manner, so that Indigenous manufacturers have an opportunity of offering to supply the goods in question.

2. It is clarified that the advertisement procedure, as applicable to import of capital goods, for a value exceeding Rs. 7.5 lakhs, will also apply to import of heavy electrical plant and machinery as well as cognate equipments essential for power plant (either for generation or transformation of electric power), required by factories under the provisions of paragraph 154 of the I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1970.

3. The following new sub-paragraph may be deemed to have been inserted under paragraph 154 in the aforesaid Hand Book:—

"154(3) The advertising procedure laid down in paragraph 137, as applicable to import of Capital goods will also apply to import of Heavy Electrical Plant and Machinery."

R. J. REBELLO, Chief Controller of Imports & Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय सार्वजितिक सूचना ग्रायान व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, 14 ग्रगस्त, 1970

बिषय : श्रावेदकों द्वारा किए जाने वाले विज्ञापन ।

सं० 122 माई० दी० सी० (पी० एन०/70: -ग्रायात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यविधि हैंडवुक, 1970 के पारा 137 (1) की भ्रोर ध्यान श्राकृष्ट किया जाता है जिसके अनुसार, उन श्रावेदकों के लिए, जिनकी पूंजीगत माल श्रथवा मशीन श्रीजार की ग्रावश्यकताएं 7.5 लाख से अधिक मूल्य की हैं, उनसे श्रपेक्षा की जाती है कि वे श्रपनी श्रावश्यकताभ्रों का विज्ञापन निर्धारित रूप में करें, ताकि देशी विनिर्माताश्रों को विषयाधीन माल देने का श्रवसर मिल ।

- 2. यह स्पष्ट कर दिया जाता है कि 7.5 लाख से अधिक मूल्य के पूंजीगत माल के आयात के लिए जैसी विज्ञापन कार्यविधि होगी, वही आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यविधि हैंडबुक, 1970 के पारा 154 की व्यवस्थाओं के भन्तर्गत फैक्ट्रियों द्वारा मांग किए जाने पर, भारी बिजली यंत तथा मशीने और साथ ही साथ कारनेट उपस्कर जो शक्ति यंत्र (यो तो विद्युत शक्ति के प्रजनन के लिए या क्यान्तरण के लिए आवश्यक हैं, उनके श्रायात के लिए भी लागू होंगी।
- 3. उपर्युक्त हैंडबुक के पारा 154 के अन्तर्भत निम्तलिखित उप-पारा को अन्तर्गिविष्ट किया गया समझा जाएगा :---
- "154(3) पारा 137 में निहित विज्ञापन कार्यविधि, जो पूजीगत माल के श्रायात के लिए लागू होगी, बही भारी विजर्ला यंत्र तथा भूजीनों के श्रायात के लिए भी लागू होंगी।"

ग्रार० जे० रवैली, मुख्य नियंत्रक, ग्रायान-निर्यात ।